Capacity Building Programme organized for Social Science Faculty Members

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 24-12-2024**

हकेवि में हुई क्षमता निर्माण कार्यक्रम की शुरूआत

क्षमता निर्माण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कुलपति को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए विभागीय शिक्षक।

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा संशोधन पद्धति और अकादमिक लेखन पर आधारित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम की सोमवार को शुरूआत हो गई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत संकाय सदस्यों के शोध कौशल और अकादमिक लेखन क्षमताओं का विकास करना है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रतिभागियों को विचारों के विकास हेतु इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में मुल्य आधारित शोध की संस्कृति का उल्लेख करते हुए इसे अकादमिक व सामाजिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। कुलपति ने अपने संबोधन में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नेतृत्व क्षमता के विकास और नवाचार के लिए आवश्यक कार्ययोजना का उल्लेख करते हुए विशेष रूप से आवश्यक बदलावों की महत्ता की ओर प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया। कुलपति के द्वारा प्रस्तुत विचारों ने प्रतिभागियों के बीच सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध के महत्त्व और उससे होने वाले भविष्य निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की प्रो. शालिनी सिंह ने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले शोध को व्यक्ति विशेष के जीवन में आने वाले बदलावों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में वैज्ञानिक नजरिए के साथ प्रतिभागियों को सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों से भी अवगत कराया। प्रो. शालिनी सिंह ने अपने संबोधन में सामाजिक विज्ञान और समाज के बीच आपसी समन्वय के लिए आवश्यक सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का उल्लेख करते हुए नीति निर्माण, शिक्षाविदों व उद्यमिता के स्तर पर नेतृत्व की भूमिका पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। आयोजन के उद्घाटन सत्र में स्वागत भाषण इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम की निदेशक व हकेवि की मानविकी और सामाजिक विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. पायल कंवर चंदेल ने प्रस्तुत किया। आयोजन के सह-निदेशक डॉ. विष्णु कुचेरिया ने आयोजन के आरंभ में कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में प्रो. राजीव कुमार सिंह, प्रो. सुशीला सोरिया, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा, डॉ. सुमन, डॉ. के.आर. पलसानिया, डॉ. रवि प्रताप पांडे, डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. मोहित ने सक्रिय योगदान दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 24-12-2024**

क्षमता निर्माण कार्यक्रम विकास के लिए महत्वपूर्ण

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा संशोधन पद्धति और अकादमिक लेखन पर आधारित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम की सोमवार को शुरूआत हो गई।

आईसीएसएसआर नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत संकाय सदस्यों के शोध कौशल और अकादमिक लेखन क्षमताओं का विकास करना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उन्होंने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में मूल्य आधारित शोध की संस्कृति का उल्लेख करते हुए इसे अकादमिक व सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की प्रो. शालिनी सिंह ने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले शोध को व्यक्ति विशेष के जीवन में आने वाले बदलावों के लिए महत्वपूर्ण बताया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Ranghosh **Date: 24-12-2024**

हकेवि में हुई क्षमता निर्माण कार्यक्रम की शुरुआत

-आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में देशभर से 26 प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'संशोधन पद्धति और अकादमिक लेखन' पर आधारित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम की सोमवार को शुरुआत हो गई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत संकाय सदस्यों के शोध कौशल और अकादमिक लेखन क्षमताओं का विकास करना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रतिभागियों को विचारों के विकास हेतु इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में मुल्य आधारित शोध की संस्कृति का उल्लेख करते हुए इसे अकादमिक व सामाजिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। कुलपति ने अपने संबोधन में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नेतृत्व क्षमता के विकास और नवाचार के लिए आवश्यक कार्ययोजना का उल्लेख करते हुए विशेष रूप से आवश्यक बदलावों की महत्ता की ओर प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया। कुलपति के द्वारा प्रस्तुत विचारों ने प्रतिभागियों के बीच सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध के महत्त्व और उससे होने वाले भविष्य निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की प्रो. शालिनी सिंह ने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले शोध को व्यक्ति विशेष के जीवन में आने वाले बदलावों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में वैज्ञानिक नजरिए के साथ प्रतिभागियों को सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों से भी अवगत कराया। प्रो. शालिनी सिंह ने अपने संबोधन में सामाजिक विज्ञान और समाज के बीच आपसी समन्वय के लिए आवश्यक सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का उल्लेख करते हुए नीति निर्माण, शिक्षाविदों व उद्यमिता के स्तर पर नेतृत्व की भूमिका पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। आयोजन के उद्घाटन सत्र में स्वागत भाषण इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम की निदेशक व हकेवि की मानविकी और सामाजिक विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. पायल कंवर चंदेल ने प्रस्तुत किया। आयोजन के सह-निदेशक डॉ. विष्णु कुचेरिया ने आयोजन के आरंभ में कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आगामी 04 जनवरी, 2025 तक चलने वाले इस आयोजन में विभिन्न शिक्षण संस्थानों व विश्वविद्यालयों के 26 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र के अंत में प्रो. विश्वा चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही प्रो. चौधरी ने आयोजन के दूसरे सत्र में शोध प्रसताव लेखन की बारीकियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस कार्यक्रम में प्रो. राजीव कुमार सिंह, प्रो. सुशीला सोरिया, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा, डॉ. सुमन, डॉ. के.आर. पलसानिया, डॉ. रवि प्रताप पांडे, डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. मोहित ने सक्रिय योगदान दिया।

रणघोष खास : लड़कि

समाज जागरूकता अ

रणघोष खास. देशभर से

इस्लामी शिक्षाएँ स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों की शिक्षा का
हैं। कुरान और हदीस (पैगंबर मुहम्मद की बातें) व्यक्तिगत विकास
बेहतरी के साधन के रूप में ज्ञान प्राप्त करने के महत्व पर जोर देते हैं। कु
करता है कि ज्ञान प्राप्त करना हर मुसलमान के लिए एक आज्ञा है, चाहे
लिंग का हो। प्रसिद्ध आयत 'अपने रब के नाम से पढ़ो जिसने तुम्हें बना
96:1) सीखने और बौद्धिक विकास के महत्व को रेखांकित करती है।
कुरान आध्यात्मिक और बौद्धिक क्षमताओं के मामले में पुरुषों और
समानता पर जोर देता है। सूरा अल-अलक (96:1-5) लिंग भेद के
करने का आह्वान करता है, और सूरा अत-तौबा (9:71) शिक्षा के मा
के कल्याण में योगदान देने में महिलाओं की सक्रिय भूमिका की पुष्टि क
(PBUH) ने महिलाओं की शिक्षा के महत्व पर भी जोर दिया, ने सैउ, इ
हर मुसलमान पर अनिवार्य है' (सुनन इब्न माजा)। पैगंबर मुहम्मद द्वारा
शिक्षा को प्रोत्साहित करना महिला विद्वानों के साथ उनकी बातचीत के
प्रदर्शित होता है। प्रारंभिक इस्लामी इतिहास में कई महिलाएँ, जैसे कि आय
बकर, अपने ज्ञान और इस्लामी विद्वता में उनके योगदान के लिए प्रसि
इस्लामी काल में, महिलाएँ ज्ञान प्राप्त करने और प्रसारित करने दोनों में
थीं। पैगंबर मुहम्मद की पत्नी आयशा को एक महान विद्वान और शिक्षिका
किया जाता है। उन्होंने कई हदीसें दीं और पैगंबर के कई पुरुष साथियों
ली उसके ज्ञान के बारे में। इसके अलावा, इस्लाम के शुरुआती वर्षों के
महिलाएँ पुरुषों के साथ-साथ स्कूलों और विश्वविद्यालयों में जाती थीं
काहिरा जैसे शहरों में, महिलाओं ने चिकित्सा, गणित और साहित्य जैसे
प्रदर्शन किया। शिक्षा को न केवल व्यक्तिगत लाभ के रूप में देखा जाता
सामाजिक कर्तव्य के रूप में भी देखा जाता है। इस्लाम में, महिलाओं को
परिवार और समाज को बेहतर बनाने के साधन के रूप में देखा जाता है। भ
लड़कियों के सामने आने वाली शैक्षिक असमानताओं को दूर करने के
किए जा सकते हैं। सरकार और गैर सरकारी संगठनों को स्कूलों तक पहुँच

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 24-12-2024**

हकेंवि में क्षमता निर्माण कार्यक्रम की शुरुआत

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'संशोधन पद्धति और अकादमिक लेखन' पर दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू हुआ। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध कौशल और लेखन क्षमताओं का विकास करना है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसे विचारों के विकास और मूल्य आधारित शोध के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि प्रो. शालिनी सिंह ने सामाजिक विज्ञान के शोध को समाज और नीति निर्माण के लिए आवश्यक बताया। निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल और सह-निदेशक डॉ. विष्णु कुचेरिया ने आयोजन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम 4 जनवरी तक चलेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hadoti Adhikar **Date: 24-12-2024**

हकेवि में क्षमता निर्माण कार्यक्रम की शुरुआत

देशभर से 26 प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा

हाड़ौती अधिकार

नारनौल, 23 दिसम्बर। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'संशोधन पद्धति और अकादमिक लेखन' पर आधारित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम की सोमवार को शुरुआत हो गई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत संकाय सदस्यों के शोध कौशल और अकादमिक लेखन क्षमताओं का विकास करना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रतिभागियों को विचारों के विकास हेतु इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में मुल्य आधारित शोध की संस्कृति का उल्लेख करते हुए इसे अकादमिक व सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

कुलपति ने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नेतृत्व क्षमता के विकास और नवाचार के लिए आवश्यक कार्ययोजना का उल्लेख करते हुए विशेष रूप से आवश्यक बदलावों की महत्ता की ओर प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया।

कुलपति के द्वारा प्रस्तुत विचारों ने प्रतिभागियों के बीच सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध के महत्व और उससे होने वाले भविष्य निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की प्रो. शालिनी सिंह ने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले शोध को व्यक्ति विशेष के जीवन में आने वाले बदलावों के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में वैज्ञानिक नजरिए के साथ प्रतिभागियों को सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों से भी अवगत कराया।

प्रो. शालिनी सिंह ने अपने संबोधन में सामाजिक विज्ञान और समाज के बीच आपसी समन्वय के लिए आवश्यक सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का उल्लेख करते हुए नीति निर्माणए शिक्षाविदों व उद्यमिता के स्तर पर नेतृत्व की भूमिका पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। आयोजन के सह-निदेशक डॉ. विष्णु कुचेरिया ने बताया कि इस आयोजन में विभिन्न शिक्षण संस्थानों व विश्वविद्यालयों के 26 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

बारिश से किसानों की गेहूं, चने और सरसों की फसल में है फायदा

हाड़ौती अधिकार

रोहतक, 23 दिसंबर। सुबह से ही हो

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hello Rewari **Date: 24-12-2024**

क्षमता निर्माण कार्यक्रम की हुई शुरुआत, देशभर से 26 प्रतिभागी हुए शामिल

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'संशोधन पद्धति और अकादमिक लेखन' पर आधारित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम की सोमवार को शुरुआत हो गई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत संकाय सदस्यों के शोध कौशल और अकादमिक लेखन क्षमताओं का विकास करना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रतिभागियों को विचारों के विकास हेतु इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में मुल्य आधारित शोध की संस्कृति का उल्लेख करते हुए इसे अकादमिक व सामाजिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। कुलपति ने अपने संबोधन में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नेतृत्व क्षमता के विकास और नवाचार के लिए आवश्यक

कार्ययोजना का उल्लेख करते हुए विशेष रूप से आवश्यक बदलावों की महत्ता की ओर प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया। कुलपति के द्वारा प्रस्तुत विचारों ने प्रतिभागियों के बीच सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध के महत्त्व और उससे होने वाले भविष्य निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की प्रो. शालिनी सिंह ने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले शोध को व्यक्ति विशेष के जीवन में आने वाले बदलावों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में वैज्ञानिक नजरिए के साथ प्रतिभागियों को सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों से भी अवगत कराया। प्रो. शालिनी सिंह ने अपने संबोधन में सामाजिक विज्ञान और समाज के बीच आपसी समन्वय के लिए आवश्यक सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का उल्लेख करते हुए नीति निर्माण, शिक्षाविदों व उद्यमिता के स्तर पर नेतृत्व की भूमिका पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। आयोजन के उद्घाटन सत्र में स्वागत भाषण इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम की निदेशक व हकेवि की मानविकी और सामाजिक विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. पायल कंवर चंदेल ने प्रस्तुत किया। आयोजन के सह-निदेशक डॉ. विष्णु कुचेरिया ने आयोजन के आरंभ में कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आगामी 4 जनवरी, 2025 तक चलने वाले इस आयोजन में विभिन्न शिक्षण संस्थानों व विश्वविद्यालयों के 26 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र के अंत में प्रो. विश्वा चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही प्रो. चौधरी ने आयोजन के दूसरे सत्र में शोध प्रसताव लेखन की बारीकियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस कार्यक्रम में प्रो. राजीव कुमार सिंह, प्रो. सुशीला सोरिया, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा, डॉ. सुमन, डॉ. के.आर. पलसानिया, डॉ. रवि प्रताप पांडे, डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. मोहित ने सक्रिय योगदान दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 26-12-2024**

शोध कौशल विकास का महत्वपूर्ण अवसर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से आयोजित किए जा रहे दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम किया जा रहा है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय व देशभर से आए शिक्षाविदों के लिए शोध कौशल और अकादमिक लेखन क्षमताओं का विकास करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया।

सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर केंद्रित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली की ओर से प्रायोजित इस कार्यक्रम के दूसरे दिन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के प्रबंधन अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय कुमार तथा गुरु जंभेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार की डॉ. तरुणा गेरा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ. तरुणा गेरा ने शोध परिणामों को प्रकाशित करने के लिए उचित जर्नल का चयन करने और प्रकाशन के लिए स्रोतों की पहचान और जांच करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. अजय कुमार ने मौजूदा शोध की समीक्षा प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। दोनों वक्ताओं ने न केवल सैद्धांतिक समझ प्रदान की, बल्कि प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 26-12-2024**

हकेवि में शोध की समीक्षा प्रक्रिया से रुबरु हुए प्रतिभागी

महेन्द्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किए जा रहे दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने विश्वविद्यालय व देशभर से आए शिक्षाविदों के लिए शोध कौशल और अकादमिक लेखन क्षमताओं का विकास करने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर बताया।

सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर केंद्रित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम के

दूसरे दिन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के प्रबंधन अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय कुमार तथा गुरु जंभेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार की डॉ. तरुणा गेरा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ. तरुणा गेरा ने शोध परिणामों को प्रकाशित करने के लिए उचित जर्नल का चयन करने और प्रकाशन के लिए स्रोतों की पहचान और जांच करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. अजय कुमार ने मौजूदा शोध की समीक्षा प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। दोनों वक्ताओं ने न केवल सैद्धांतिक समझ प्रदान की, बल्कि प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 26-12-2024**

शोध की समीक्षा प्रक्रिया से रूबरू हुए प्रतिभागी : कुलपति

विशेषज्ञ वक्ता डा. अजय कुमार को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक ● सौ : हकेंवि

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किए जा रहे दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विवि व देशभर से आए शिक्षाविदों के लिए अकादमिक लेखन क्षमताओं का विकास करने का महत्वपूर्ण अवसर बताया।

सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर केंद्रित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम के दूसरे दिन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के प्रबंधन अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डा. अजय कुमार तथा गुरु जंभेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार की डा. तरुणा गेरा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। डा.. तरुणा गेरा ने शोध परिणामों को प्रकाशित करने के लिए उचित जर्नल का चयन करने के स्रोतों की पहचान करने के तरीकों पर चर्चा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 27-12-2024**

हकेवि में शोध पर केंद्रित समस्याओं व समाधान पर हुई चर्चा

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रो. उर्मी नंदा को स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो. पायल चंदेल।

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तीसरे दिन की शुरूआत प्रतिभागियों डॉ. नेहरशी और श्री सिद्धांत के प्रस्तुतिकरण के साथ हुई। उन्होंने प्रशिक्षण के पिछले दो दिनों के अनुभव साझा किए। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की और विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन में विशेषज्ञ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस.के. चहल ने शोध समस्याओं की पहचान व परिष्करण, शोध प्रश्नों को तैयार करने और उद्देश्यों को परिभाषित करने पर केंद्रित व्याख्यान दिया। इसी क्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर उर्मी नंदा बिस्वास ने सामाजिक विज्ञान में डेटा संग्रह और फोकस ग्रुप डिस्कशन, डिस्कोर्स एनालिसिस, कंटेंट एनालिसिस और थीमैटिक एनालिसिस जैसी विश्लेषण तकनीकों पर चर्चा की। आयोजन के चौथे दिन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राजीव कुमार सिंह ने शोध से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

वित्त अधिकारी प्रोफेसर विकास कुमार ने शोध प्रबंधन के लिए फंडिंग एजेंसियों की पहचान पर अपना व्याख्यान दिया। साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर नवीन कुमार ने सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक शोध के महत्व को संबोधित किया। आयोजन में कोर्स के सह-निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने प्रतिभागियों को अकादमिक लेख की रूपरेखा तैयार करने में व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 27-12-2024**

शोध पर केंद्रित समस्याओं व समाधान पर मंथन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तीसरे दिन की शुरुआत प्रतिभागियों डॉ. नेहरशी और सिद्धांत के प्रस्तुतिकरण के साथ हुई। आयोजन में विशेषज्ञ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एसके चहल ने शोध समस्याओं की पहचान व परिष्करण, शोध प्रश्नों को तैयार करने और उद्देश्यों को परिभाषित करने पर केंद्रित व्याख्यान दिया। इसी क्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर उर्मी नंदा बिस्वास ने सामाजिक विज्ञान में डेटा संग्रह और फोकस ग्रुप डिस्कशन, डिस्कोर्स एनालिसिस, कंटेंट एनालिसिस और थीमैटिक एनालिसिस जैसी विश्लेषण तकनीकों पर चर्चा की। प्रो. राजीव कुमार सिंह ने शोध से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। वित्त अधिकारी प्रो. विकास कुमार ने शोध प्रबंधन के लिए फंडिंग एजेंसियों की पहचान पर व्याख्यान दिया। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 27-12-2024**

शोध पर केंद्रित समस्याओं व समाधान पर की गई चर्चा

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तीसरे दिन की शुरुआत प्रतिभागियों डा. नेहरशी और सिद्धांत के प्रस्तुतिकरण के साथ हुई। उन्होंने प्रशिक्षण के पिछले दो दिनों के अनुभव साझा किए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की और विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रो. उर्मीनंदा को स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो. पायल चंदेल● सौजन्यःहकेंवि

आयोजन में विशेषज्ञ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. एसके चहल ने शोध समस्याओं की पहचान व परिष्करण, शोध प्रश्नों को तैयार करने और उद्देश्यों को परिभाषित करने पर केंद्रित व्याख्यान दिया। इसी क्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. उर्मी नंदा बिस्वास ने सामाजिक विज्ञान में डेटा संग्रह और फोकस ग्रुप डिस्कशन, डिस्कोर्स एनालिसिस, कंटेंट एनालिसिस और थीमैटिक एनालिसिस जैसी विश्लेषण तकनीकों पर चर्चा की।

आयोजन के चौथे दिन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. राजीव कुमार सिंह ने शोध से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। वित्त अधिकारी प्रोफेसर विकास कुमार ने शोध प्रबंधन के लिए फंडिंग एजेंसियों की पहचान पर अपना व्याख्यान दिया। साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर नवीन कुमार ने सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक शोध के महत्व को संबोधित किया। कोर्स के सह-निदेशक डा. विष्णु नारायण कुचेरिया ने प्रतिभागियों को अकादमिक लेख की रूपरेखा तैयार करने में व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने विशेषज्ञों और प्रतिभागियों के साथ सक्रियता से चर्चा कर प्रतिभागियों को अपने शोध और प्रकाशन प्रयासों को आगे बढ़ाने व नए कौशल हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 27-12-2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शोध पर केंद्रित समस्याओं व समाधान पर हुई चर्चा

सुरेंद्र चौधरी, नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तीसरे दिन की शुरुआत प्रतिभागियों डॉ. नेहरशी और श्री सिद्धांत के प्रस्तुतिकरण के साथ हुई। उन्होंने प्रशिक्षण के पिछले दो दिनों के अनुभव साझा किए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की और विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आयोजन में विशेषज्ञ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस.के. चहल ने शोध समस्याओं की पहचान व परिष्करण, शोध प्रश्नों को तैयार करने और उद्देश्यों को परिभाषित करने पर केंद्रित व्याख्यान दिया। इसी क्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो उर्मी नंदा बिस्वास ने सामाजिक विज्ञान में डेटा संग्रह और फोकस ग्रुप डिस्कशन, डिस्कोर्स एनालिसिस, कंटेंट एनालिसिस और थीमैटिक एनालिसिस जैसी विश्लेषण तकनीकों पर चर्चा की।

आयोजन के चौथे दिन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो राजीव कुमार सिंह ने शोध से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। वित्त अधिकारी प्रोफेसर विकास कुमार ने शोध प्रबंधन के लिए फंडिंग एजेंसियों की पहचान पर अपना व्याख्यान दिया। साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर नवीन कुमार ने सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक शोध के महत्व को संबोधित किया।

आयोजन में कोर्स के सह-निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने प्रतिभागियों को अकादमिक लेख की रूपरेखा तैयार करने में व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम निदेशक प्रो पायल कंवर चंदेल ने विशेषज्ञों और प्रतिभागियों के साथ सक्रियता से चर्चा कर प्रतिभागियों को अपने शोध और प्रकाशन प्रयासों को आगे बढ़ाने व नए कौशल हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 27-12-2024**

शोध पर केंद्रित समस्याओं व समाधान पर हुई चर्चा

महेंद्रगढ़, 26 दिसंबर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विवि. के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तीसरे दिन की शुरुआत प्रतिभागियों डॉ. नेहरशी और श्री सिद्धांत के प्रस्तुतिकरण के साथ हुई।

उन्होंने प्रशिक्षण के पिछले दो दिनों के अनुभव साझा किए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की और विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आयोजन में विशेषज्ञ कुरुक्षेत्र विवि. के प्रोफेसर एस.के.चहल ने शोध समस्याओं की पहचान व परिष्करण, शोध प्रश्नों को तैयार करने और उद्देश्यों को परिभाषित करने पर केंद्रित व्याख्यान दिया। इसी क्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर उर्मी नंदा बिस्वास ने सामाजिक विज्ञान में डेटा संग्रह और फोकस ग्रुप डिस्कशन, डिस्कोर्स एनालिसिस, कंटेंट एनालिसिस और थीमैटिक एनालिसिस जैसी विश्लेषण तकनीकों पर चर्चा की। आयोजन के चैथे दिन हकेवि के प्रोफेसर राजीव कुमार सिंह ने शोध से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। वित्त अधिकारी प्रोफेसर विकास कुमार ने शोध प्रबंधन के लिए फंडिंग एजेंसियों की पहचान पर अपना व्याख्यान दिया। साथ ही दिल्ली विवि. के प्रोफेसर नवीन कुमार ने सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक शोध के महत्व को संबोधित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 28-12-2024**

सामाजिक विज्ञान प्रबंधन की तकनीक सीखी

हकेंवि में अनुसंधान पद्धति और शैक्षणिक लेखन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के पांचवें दिन प्रतिभागियों में संवाद हुआ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित दो सप्ताह के अनुसंधान पद्धति और शैक्षणिक लेखन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के पांचवें दिन प्रतिभागियों के बीच संवाद हुआ। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों के कौशल विकास के लिए आयोजन टीम की सराहना की।

आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, उत्तर प्रदेश के अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग के प्रो. अजय प्रताप ने सामाजिक विज्ञानों में डेटा तैयार करने और सामाजिक विज्ञान प्रबंधन पर प्रकाश डाला। साथ ही हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच शैक्षणिक लेखन और प्रकाशन में नैतिकता तथा गुणवत्तापूर्ण पत्रिकाओं की पहचान पर केंद्रित व्याख्यान दिया।

पाठ्यक्रम सह निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व आईसीएसएसआर का उनके मार्गदर्शन व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सीखने को जीवन पर्यंत की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शुक्रवार को विशेषज्ञ प्रो. अजय प्रताप को स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो. पायल चंदेल। स्रोत : हकेंवि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 28-12-2024**

हकेंवि में प्रतिभागियों ने सामाजिक विज्ञान प्रबंधन की तकनीक के बारे में जाना

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के मनोविज्ञान विभाग द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित दो सप्ताह के अनुसंधान पद्धति और शैक्षणिक लेखन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के पांचवें दिन देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों के बीच संवाद हुआ। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों के कौशल विकास के लिए आयोजन टीम की सराहना की।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप मे उपस्थित वीबीएस पूर्वांचल विवि, जौनपुर, उत्तर प्रदेश के अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग के प्रो. अजय प्रताप ने सामाजिक विज्ञानों में डेटा तैयार करने और सामाजिक विज्ञान प्रबंधन पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही हकेंवि के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने शैक्षणिक लेखन व प्रकाशन में नैतिकता तथा गुणवत्तापूर्ण पत्रिकाओं की पहचान पर केंद्रित व्याख्यान दिया। संचालन पाठ्यक्रम सह-निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने किया। कार्यक्रम निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व आईसीएसएसआर का उनके मार्गदर्शन व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 27-12-2024**

प्रतिभागियों ने सीखीं सामाजिक विज्ञान प्रबंधन तकनीक : कुलपति

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विशेषज्ञ को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित दो सप्ताह के अनुसंधान पद्धति और शैक्षणिक लेखन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के पांचवें दिन देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों के बीच संवाद हुआ। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों के कौशल विकास के लिए आयोजन टीम की सराहना की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश के अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग के प्रो. अजय प्रताप ने सामाजिक विज्ञानों में डेटा तैयार करने और सामाजिक विज्ञान प्रबंधन पर विस्तार से प्रकाश डाला। विवि के पुस्तकालय के अध्यक्ष डा. संतोष सीएच शैक्षणिक लेखन में नैतिकता व्याख्यान दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hello Rewari **Date: 27-12-2024**

हकेवि में प्रतिभागियों ने सीखीं सामाजिक विज्ञान प्रबंधन की तकनीक

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित दो सप्ताह के अनुसंधान पद्धति और शैक्षणिक लेखन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के पांचवें दिन देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों के बीच संवाद हुआ। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने इस कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों के कौशल विकास के लिए आयोजन टीम की सराहना की।

आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप मे उपस्थित वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश के अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग के प्रो. अजय प्रताप ने सामाजिक विज्ञानों में डेटा तैयार करने और सामाजिक विज्ञान प्रबंधन पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. शैक्षणिक लेखन और प्रकाशन में नैतिकता तथा गुणवत्तापूर्ण पत्रिकाओं की पहचान पर केंद्रित व्याख्यान दिया। पाठ्यक्रम सह-निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम निदेशक, प्रो. पायल कंवर चंदेल ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार व आईसीएसएसआर का उनके मार्गदर्शन व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सीखने को जीवन पर्यंत की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 31-12-2024**

सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शोध की बारीकियों से अवगत हुए प्रतिभागी

दो सप्ताह का शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर केंद्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम जारी

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आयोजित किए जा रहे दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर एस.के. सिया, हकेवि के वाणिज्य विभाग की प्रोफेसर सुशीला कुमारी सोरिया, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एच. एल. जोशी तथा हकेवि के व्यवसाय और प्रबंधन अध्ययन संकाय के डीन, प्रोफेसर रंजन अनेजा ने विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने इस कार्यक्रम के सामाजिक विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने और भारत को विश्वगुरु बनाने के उद्देश्य के साथ इसके संरेखण के

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते प्रो. एस.के. सिया।

महत्व पर बल दिया और आयोजन को प्रतिभागियों के शोध की गुणवत्ता और करियर विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित आयोजन में विशेषज्ञ प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार सिया ने गुणात्मक और मात्रात्मक शोध में डेटा संग्रह विधियों, मापन, और स्केलिंग पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर सुशीला कुमारी सोरिया ने शोध डिजाइन के मूलभूत सिद्धांतों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में इसकी आवश्यकता, सैंपलिंग, सैंपल आकार का अनुमान, और सैंपलिंग त्रुटि पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इसी क्रम में प्रोफेसर एच. एल. जोशी ने मात्रात्मक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर के उपयोग पर व्याख्यान दिया और इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रतिभागियों को दिया। प्रोफेसर रंजन अनेजा ने मात्रात्मक अनुसंधान में वर्णनात्मक और अनुमानात्मक सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन के क्षेत्रीय अन्वेषण और जांच में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिभागियों को नारनौल के ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण भी कराया गया।

कार्यक्रम के सह-समन्वयक, डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम निदेशक, प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि यह कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को प्रभावी रूप से पूरा करेगा और आवश्यक कौशल प्रदान करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 31-12-2024**

हकेंवि...गुणवत्तापूर्ण शोध की बारीकियों से अवगत कराया

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में कॅरिअर विकास के लिए मार्गदर्शन किया

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में आयोजित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में व्याख्यान का आयोजन हुआ।

दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के प्रो. एसके सिया, हकेंवि के वाणिज्य विभाग की प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. एचएल जोशी, हकेंवि के व्यवसाय और प्रबंधन अध्ययन संकाय के डीन, प्रो. रंजन अनेजा ने विचार व्यक्त किए

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यक्रम के सामाजिक विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने और भारत को विश्वगुरु बनाने के उद्देश्य के साथ इसके संरेखण के महत्व पर बल दिया और आयोजन को प्रतिभागियों के शोध की गुणवत्ता और कॅरिअर विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित आयोजन में विशेषज्ञ प्रो. सुरेंद्र कुमार सिया ने गुणात्मक और मात्रात्मक शोध में डेटा संग्रह विधियों, मापन, स्केलिंग पर व्याख्यान दिया।

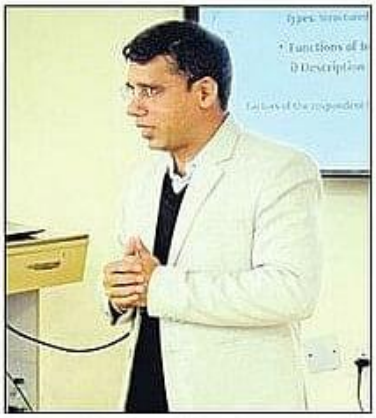

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते वक्ता। स्रोत : हकेंवि

प्रो. सुशीला ने शोध डिजाइन के मूलभूत सिद्धांतों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में इसकी आवश्यकता, सैंपलिंग, सैंपल आकार का अनुमान, और सैंपलिंग त्रुटि पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. एचएल जोशी ने मात्रात्मक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर के उपयोग पर व्याख्यान दिया और इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रतिभागियों को दिया। प्रो. रंजन ने मात्रात्मक अनुसंधान में वर्णनात्मक और अनुमानात्मक सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया।

सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया प्रतिभागियों को

आयोजन के क्षेत्रीय अन्वेषण और जांच में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिभागियों को नारनौल के ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम के सह-समन्वयक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल ने उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि यह कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को प्रभावी रूप से पूरा करेगा और आवश्यक कौशल प्रदान करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 31-12-2024**

क्षमता निर्माण कार्यक्रम • शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर दिया व्याख्यान

विद्यार्थियों को सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शोध की बारीकियां बताईं गईं

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किए जा रहे दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर एस.के. सिया, हकेंवि के वाणिज्य विभाग की प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. एच. एल. जोशी और हकेंवि के व्यवसाय-प्रबंधन अध्ययन संकाय के डीन प्रो. रंजन अनेजा ने विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किए।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यक्रम के सामाजिक विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने और भारत को विश्वगुरु बनाने के उद्देश्य के साथ इसके सरेखण के महत्व पर बल दिया और आयोजन को प्रतिभागियों के शोध की गुणवत्ता और करियर विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। विवि के मनोविज्ञान विभाग की ओर से आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रो. सुरेंद्र कुमार सिया ने गुणात्मक व मात्रात्मक शोध में डेटा संग्रह विधियों, मापन और स्केलिंग पर व्याख्यान दिया। प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया ने शोध डिजाइन के मूलभूत सिद्धांत बताए। उन्होंने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में इसकी आवश्यकता, सैंपलिंग, सैंपल आकार का अनुमान और सैंपलिंग त्रुटि पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसी क्रम में प्रो. एच. एल. जोशी ने मात्रात्मक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर के उपयोग पर व्याख्यान दिया और इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रतिभागियों को दिया।

प्रो. रंजन अनेजा ने मात्रात्मक अनुसंधान में वर्णनात्मक और अनुमानात्मक सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन के क्षेत्रीय अन्वेषण और जांच में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिभागियों को नारनौल के ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम के सह-समन्वयक, डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने

विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम निदेशक, प्रो. पायल कंवर चंदेल ने उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि यह कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को प्रभावी रूप से पूरा करेगा और आवश्यक कौशल प्रदान करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 31-12-2024**

सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शोध की बारीकियों से अवगत हुए प्रतिभागी

महेन्द्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आयोजित किए जा रहे दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर एस.के. सिया, हकेवि के वाणिज्य विभाग की प्रोफेसर सुशीला कुमारी सोरिया, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एच. एल. जोशी तथा हकेवि के व्यवसाय और प्रबंधन अध्ययन संकाय के डीन, प्रोफेसर रंजन अनेजा ने विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने इस कार्यक्रम के सामाजिक

विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने और भारत को विश्वगुरु बनाने के उद्देश्य के साथ इसके संरेखण के महत्व पर बल दिया और आयोजन को प्रतिभागियों के शोध की गुणवत्ता और करियर विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित आयोजन में विशेषज्ञ प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार सिया ने गुणात्मक और मात्रात्मक शोध में डेटा संग्रह विधियों, मापन, और स्केलिंग पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर सुशीला कुमारी सोरिया ने शोध डिज़ाइन के मूलभूत सिद्धांतों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में इसकी आवश्यकता, सैंपलिंग, सैंपल आकार का अनुमान, और सैंपलिंग त्रुटि पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इसी क्रम में प्रोफेसर एच. एल. जोशी ने मात्रात्मक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर के उपयोग पर व्याख्यान दिया और इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रतिभागियों को दिया। प्रोफेसर रंजन अनेजा ने मात्रात्मक अनुसंधान में वर्णनात्मक और अनुमानात्मक सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन के क्षेत्रीय अन्वेषण और जांच में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिभागियों को नारनौल के ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण भी कराया गया।

कार्यक्रम के सह-समन्वयक, डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 31-12-2024**

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शोध की गुणवत्ता व संरेखण के महत्व को बताया

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में आयोजित किए जा रहे दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर एसके सिया, हकेंवि के वाणिज्य विभाग की प्रोफेसर सुशीला कुमारी सोरिया, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एच एल जोशी तथा हकेवि के व्यवसाय और प्रबंधन अध्ययन संकाय के डीन, प्रोफेसर रंजन अनेजा ने विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यक्रम के सामाजिक विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने और भारत को विश्वगुरु बनाने के उद्देश्य के साथ इसके संरेखण के महत्व पर बल दिया और आयोजन को प्रतिभागियों के शोध की गुणवत्ता और करियर विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित आयोजन में विशेषज्ञ प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार सिया ने गुणात्मक और मात्रात्मक शोध में डेटा संग्रह विधियों, मापन पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर सुशीला कुमारी सोरिया ने शोध डिजाइन के मूलभूत सिद्धांतों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में इसकी आवश्यकता, सैंपलिंग, सैंपल आकार का अनुमान, और सैंपलिंग त्रुटि पर विस्तार से प्रकाश डाला।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते प्रो. एसके सिया● सौ. हकेंवि

इसी क्रम में प्रोफेसर एचएल जोशी ने मात्रात्मक अनुसंधान में साफ्टवेयर के उपयोग पर व्याख्यान दिया और इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रतिभागियों को दिया। प्रोफेसर रंजन अनेजा ने मात्रात्मक अनुसंधान में वर्णनात्मक और अनुमानात्मक सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन के क्षेत्रीय अन्वेषण और जांच में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिभागियों को नारनौल के ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण भी कराया गया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 31-12-2024**

हकेवि में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शोध की बारीकियों से अवगत हुए प्रतिभागी

हकेवि में दो सप्ताह का शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर केंद्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम जारी।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आयोजित किए जा रहे दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के प्रो एस.के. सिया, हकेवि के वाणिज्य विभाग की प्रो सुशीला कुमारी सोरिया, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो एच. एल. जोशी तथा हकेवि के व्यवसाय और प्रबंधन अध्ययन संकाय के डीन, प्रो रंजन अनेजा ने विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यक्रम के सामाजिक विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने और भारत को विश्वगुरु बनाने के उद्देश्य के साथ इसके सरिखण के महत्व पर बल दिया और आयोजन को प्रतिभागियों के शोध की गुणवत्ता और करियर विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित आयोजन में विशेषज्ञ प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार सिया ने गुणात्मक और मात्रात्मक शोध में डेटा संग्रह विधियों, मापन, और स्केलिंग पर व्याख्यान दिया।

क्द्वश्ह्लश हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में क्षमता निर्माण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो एस के सिया।

प्रो सुशीला कुमारी सोरिया ने शोध डिज़ाइन के मूलभूत सिद्धांतों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में इसकी आवश्यकता, सैंपलिंग, सैंपल आकार का अनुमान, और सैंपलिंग त्रुटि पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इसी क्रम में प्रो एच. एल. जोशी ने मात्रात्मक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर के उपयोग पर व्याख्यान दिया और इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रतिभागियों को दिया। प्रो रंजन अनेजा ने मात्रात्मक अनुसंधान में वर्णनात्मक और अनुमानात्मक सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन के क्षेत्रीय अन्वेषण और जांच में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिभागियों को नारनौल के ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण भी कराया गया।

कार्यक्रम के सह-समन्वयक, डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम निदेशक, प्रो पायल कंवर चंदेल ने उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि यह कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को प्रभावी रूप से पूरा करेगा और आवश्यक कौशल प्रदान करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 31-12-2024**

दो सप्ताह का शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर केंद्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम जारी

सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शोध की बारीकियों से अवगत हुए प्रतिभागी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किए जा रहे दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर एसके सिया हकेंवि के वाणिज्य विभाग की प्रोफेसर सुशीला कुमारी सोरिया, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एचएल जोशी तथा हकेंवि के व्यवसाय और प्रबंधन अध्ययन संकाय के डीन, प्रोफेसर रंजन अनेजा ने विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने इस कार्यक्रम के सामाजिक विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने और भारत को विश्वगुरु बनाने के उद्देश्य के साथ इसके संरेखण के महत्व पर बल दिया और आयोजन को प्रतिभागियों के शोध की गुणवत्ता और करियर विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित आयोजन में विशेषज्ञ प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार सिया ने गुणात्मक और मात्रात्मक शोध में डेटा संग्रह विधियों, मापन और स्केलिंग पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर सुशीला कुमारी सोरिया ने शोध डिजाइन के मूलभूत सिद्धांतों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में इसकी आवश्यकता, सैंपलिंग, सैंपल आकार का अनुमान और सैंपलिंग त्रुटि पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसी क्रम में प्रोफेसर एचएल जोशी ने मात्रात्मक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर के उपयोग पर व्याख्यान दिया और इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रतिभागियों को दिया। प्रोफेसर रंजन अनेजा ने मात्रात्मक अनुसंधान में वर्णनात्मक और अनुमानात्मक सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन के क्षेत्रीय अन्वेषण और जांच में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिभागियों को नारनौल के ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण भी कराया गया।

महेंद्रगढ़। क्षमता निर्माण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते प्रो. एसके सिया। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम के सह-समन्वयक, डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम निदेशक, प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि यह कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को प्रभावी रूप से पूरा करेगा और आवश्यक कौशल प्रदान करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 31-12-2024**

सामाजिक विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शोध की बारीकियों से अवगत कराया

■ दो सप्ताह का शोध पद्धति व अकादमिक लेखन पर केंद्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम जारी

महेंद्रगढ़, 30 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किए जा रहे दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर एस.के. सिया, हकेवि के वाणिज्य विभाग की प्रोफेसर सुशीला कुमारी सोरिया, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एच. एल. जोशी तथा हकेवि के व्यवसाय और प्रबंधन अध्ययन संकाय के डीन, प्रोफेसर रंजन अनेजा ने विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने इस कार्यक्रम के सामाजिक विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने और भारत को विश्वगुरु बनाने के उद्देश्य के साथ इसके संरेखण के महत्व पर बल दिया और आयोजन को प्रतिभागियों के शोध की गुणवत्ता और करियर विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित आयोजन में विशेषज्ञ प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार सिया ने गुणात्मक और मात्रात्मक शोध में डेटा संग्रह विधियों, मापन, और स्केलिंग पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर सुशीला कुमारी सोरिया ने शोध डिज़ाइन के मूलभूत सिद्धांतों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में इसकी आवश्यकता, सैंपलिंग, सैंपल आकार का अनुमान, और सैंपलिंग त्रुटि पर विस्तार से प्रकाश डाला।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते प्रो. एस.के.सिया।

इसी क्रम में प्रोफेसर एच. एल. जोशी ने मात्रात्मक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर के उपयोग पर व्याख्यान दिया और इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रतिभागियों को दिया। प्रोफेसर रंजन अनेजा ने मात्रात्मक अनुसंधान में वर्णनात्मक और अनुमानात्मक सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। आयोजन के क्षेत्रीय अन्वेषण और जांच में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिभागियों को नारनौल के ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम के सह-समन्वयक, डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम निदेशक, प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने आश्वस्त किया कि यह कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को प्रभावी रूप से पूरा करेगा और आवश्यक कौशल प्रदान करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 02-01-2025**

डेटा विश्लेषण व साहित्य समीक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्त्व से अवगत हुए प्रतिभागी

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्रीराम पांडे, राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर राजीव कुमार सिंह व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. संजय परमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। हकेवि कुलपति ने विकसित व समृद्ध भारत तथा एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में ऐसे आयोजनों के महत्त्व पर जोर दिया।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो सप्ताह के आयोजन के नौवें दिन विशेषज्ञ डॉ. श्रीराम पांडे ने गुणात्मक डेटा विश्लेषण और व्यवस्थित साहित्य समीक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर प्रतिभागियों को विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम के दसवें दिन विशेषज्ञ डॉ. संजय परमार ने अंतर-विषयी और बहु-विषयी शोध दृष्टिकोणों पर व्याख्यान देते हुए सांस्कृतिक संदर्भों में उनकी उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसी क्रम में प्रोफेसर राजीव कुमार ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अनुदान प्राप्ति हेतु आवेदन प्रक्रिया और अनुदान प्रस्ताव के महत्वपूर्ण पक्षों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के सह-निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने गुणवत्तापूर्ण शोध, सूचना प्रसार और शिक्षण-प्रशिक्षण प्रक्रियाओं में सुधार करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 02-01-2025**

लक्ष्य की प्राप्ति में आयोजन महत्वपूर्ण

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम दसवें दिन भी जारी रहा।

कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्रीराम पांडे, राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. राजीव कुमार सिंह व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. संजय परमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विकसित व समृद्ध भारत तथा एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में ऐसे आयोजनों के महत्व बताए।

विशेषज्ञ डॉ. संजय परमार ने अंतर-विषयी और बहु-विषयी शोध दृष्टिकोणों पर व्याख्यान देते हुए सांस्कृतिक संदर्भों में उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 02-01-2025**

डेटा विश्लेषण व साहित्य समीक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व से अवगत हुए प्रतिभागी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के मनोविज्ञान विभाग द्वारा शोध पद्धति व अकादमिक लेखन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम में हकेंवि के पुस्तकालय व सूचना विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्रीराम पांडे, राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. राजीव कुमार सिंह व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि, हिसार के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. संजय परमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विकसित व समृद्ध भारत तथा एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में ऐसे आयोजनों के महत्व पर जोर दिया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो सप्ताह के आयोजन के नौवें दिन डॉ. श्रीराम पांडे ने गुणात्मक डेटा विश्लेषण

और व्यवस्थित साहित्य समीक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर प्रतिभागियों को विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम के दसवें दिन डॉ. संजय परमार ने अंतर-विषयी और बहु-विषयी शोध दृष्टिकोणों पर व्याख्यान देते हुए सांस्कृतिक संदर्भों में उनकी उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

इसी क्रम में प्रो. राजीव कुमार ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अनुदान प्राप्ति हेतु आवेदन प्रक्रिया और अनुदान प्रस्ताव के महत्वपूर्ण पक्षों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के सह-निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल ने गुणवत्तापूर्ण शोध, सूचना प्रसार और शिक्षण-प्रशिक्षण प्रक्रियाओं में सुधार करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 02-01-2025**

डेटा विश्लेषण व साहित्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व से कराया अवगत

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डा. श्रीराम पांडे, राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर राजीव कुमार सिंह व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डा. संजय परमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। हकेंवि कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने विकसित व समृद्ध भारत तथा एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में ऐसे आयोजनों के महत्त्व पर जोर दिया।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विशेषज्ञ संजय परमार को स्मृति चिन्ह भेंट किया ●सौ. हकेंवि

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो सप्ताह के आयोजन के नौवें दिन विशेषज्ञ डा. श्रीराम पांडे ने गुणात्मक डेटा विश्लेषण और व्यवस्थित साहित्य समीक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर प्रतिभागियों को विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम के दसवें दिन विशेषज्ञ डा. संजय परमार ने अंतर-विषयी और बहु-विषयी शोध दृष्टिकोणों पर व्याख्यान देते हुए सांस्कृतिक संदर्भों में उनकी उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसी क्रम में प्रोफेसर राजीव कुमार ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अनुदान प्राप्ति के लिए आवेदन प्रक्रिया और अनुदान प्रस्ताव के महत्वपूर्ण पक्षों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के सह-निदेशक डा. विष्णु नारायण कुचेरिया ने विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने गुणवत्तापूर्ण शोध, सूचना प्रसार और शिक्षण-प्रशिक्षण प्रक्रियाओं में सुधार के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए नकद पुरस्कार तथा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

वि,नारनौल: हरियाणा खेल विभाग की ओर से एक जनवरी 2023 से 31 मार्च 2024 तक की खेल उपलब्धियां के आधार पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए नकद पुरस्कार तथा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक खिलाड़ी 10 जनवरी तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में स्थित जिला खेल कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। जिला खेल अधिकारी नरेंद्र कुंडू ने बताया कि पात्र खिलाड़ी आवेदन पत्र विभाग की वेबसाइट हरियाणा स्पोर्ट्स डाट जीओवी डाट इन से डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पहले इन आवेदन पत्रों की अंतिम तिथि 30 जुलाई-2024 थी अब इसकी तिथि बढ़ाकर 10 जनवरी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जो खिलाड़ी पहले आवेदन करने से वंचित रह गए थे वह अब 10 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 02-01-2025**

हकेवि में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम जारी

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्रीराम पांडे, राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर राजीव कुमार सिंह व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. संजय परमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रो संजय परमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते प्रो विष्णु नारायण कुचेरिया।

हकेवि कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार ने विकसित व समृद्ध भारत तथा एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में ऐसे आयोजनों के महत्त्व पर जोर दिया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो सप्ताह के आयोजन के नौवें दिन विशेषज्ञ डॉ. श्रीराम पांडे ने गुणात्मक डेटा विश्लेषण और व्यवस्थित साहित्य समीक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर प्रतिभागियों को विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम के दसवें दिन विशेषज्ञ डॉ. संजय परमार ने अंतर-विषयी और बहु-विषयी शोध दृष्टिकोणों पर व्याख्यान देते हुए सांस्कृतिक संदर्भों में उनकी उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

इसी क्रम में प्रो राजीव कुमार ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अनुदान प्राप्ति हेतु आवेदन प्रक्रिया और अनुदान प्रस्ताव के महत्वपूर्ण पक्षों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के सह-निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने गुणवत्तापूर्ण शोध, सूचना प्रसार और शिक्षण-प्रशिक्षण प्रक्रियाओं में सुधार करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 03-01-2025**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने पालड़ी पनिहारा गांव का किया दौरा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर दो-सप्ताहीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के ग्यारहवें दिन प्रतिभागियों ने महेंद्रगढ़ जिले के पालड़ी-पनिहारा गांव का भ्रमण किया।

इस दौरे का उद्देश्य समुदाय के साथ सक्रिय संवाद के माध्यम से संभावित शोध समस्याओं की पहचान करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की सामुदायिक भागीदारी के महत्त्व पर जोर देते हुए कहा कि यह प्रक्रिया प्रासंगिक शोध समस्याओं की पहचान करने और ऐसे समाधान विकसित करने में सहायक है, जो प्रगतिशील भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। इस दौरे के दौरान ग्राम सरपंच माया देवी और निवासी विजय पाल यादव ने गांव की सीवरेज प्रणाली, कचरा निपटान, स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा

की। कार्यक्रम के सहकोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने जीवन की पृष्ठभूमि में शोध क्षेत्रों की पहचान करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। इसी क्रम में प्रतिभागियों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। आयोजन में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. राजबीर सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. राजबीर सिंह ने सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक शोध विधियों के अनुप्रयोग पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने विशेषज्ञ, ग्राम सरपंच को उनके सहयोग लिए आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 03-01-2025**

क्षमता निर्माण कार्यक्रम • हकेंवि विद्यार्थियों ने किया पालड़ी पनिहारा गांव का दौरा

छात्रों ने ग्रामीण जीवन की पृष्ठभूमि में शोध क्षेत्रों की पहचान का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के मनोविज्ञान विभाग की ओर से आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर दो-सप्ताहीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के ग्यारहवें दिन प्रतिभागियों ने पालड़ी-पनिहारा गांव का भ्रमण किया। इस दौरे का उद्देश्य समुदाय के साथ सक्रिय संवाद के माध्यम से संभावित शोध समस्याओं की पहचान करना था।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की सामुदायिक भागीदारी के महत्त्व पर

जोर देते हुए कहा कि यह प्रक्रिया प्रासंगिक शोध समस्याओं की पहचान करने और ऐसे समाधान विकसित करने में सहायक है, जो प्रगतिशील भारत के निर्माण में योगदान दे सकती है। इस दौरे के दौरान सरपंच माया देवी और निवासी विजय पाल यादव ने गांव की सीवरेज प्रणाली, कचरा निपटान, स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के सहकोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने जीवन की पृष्ठभूमि में शोध क्षेत्रों की पहचान करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। इसी क्रम में प्रतिभागियों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। आयोजन में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. राजबीर सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. राजबीर सिंह ने सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक शोध विधियों के अनुप्रयोग पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने विशेषज्ञ, ग्राम सरपंच को उनके सहयोग लिए आभार जताया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 03-01-2025**

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया पालड़ी पनिहारा गांव का दौरा

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर दो-सप्ताहीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के 11वें दिन प्रतिभागियों ने जिले के पालड़ी-पनिहारा गांव का भ्रमण किया। इस दौरे का उद्देश्य समुदाय के साथ सक्रिय संवाद के माध्यम से संभावित शोध समस्याओं की पहचान करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की सामुदायिक भागीदारी के महत्त्व पर जोर देते हुए कहा कि यह प्रक्रिया प्रासंगिक शोध समस्याओं की पहचान करने और ऐसे समाधान विकसित करने में सहायक है, जो प्रगतिशील भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं।

इस दौरे के दौरान ग्राम सरपंच माया देवी और निवासी विजय पाल यादव ने गांव की सीवरेज प्रणाली, कचरा निपटान, स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के सहकोर्स निदेशक डा. विष्णु नारायण कुचेरिया के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने जीवन की पृष्ठभूमि में शोध क्षेत्रों की पहचान करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। इसी क्रम में प्रतिभागियों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। आयोजन में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. राजबीर सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. राजबीर सिंह ने सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक शोध विधियों के अनुप्रयोग पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने विशेषज्ञ, ग्राम सरपंच को उनके सहयोग लिए आभार व्यक्त किया।

प्रो. राजवीर सिंह को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक ● सौजन्य: हकेंवि

हकेंवि के सात विद्यार्थियों का इंटर्नशिप के लिए किया चयन

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलाजी विभाग में अध्ययनरत सात विद्यार्थियों का चयन प्रतिष्ठित टेम्पल पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड, बद्दी में इंटर्नशिप के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के ये विद्यार्थी छह माह के लिए कंपनी द्वारा कैम्पस आधारित चयन प्रक्रिया के तहत चुने गए हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा आयोजित इस चयन प्रक्रिया की सराहना की। शिविर के स्तर पर आधारित इस चयन प्रक्रिया के लिए टेम्पल पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड की ओर से प्रोडेक्शन मैनेजर लक्ष्मण सिंह, प्रिंटिंग मैनेजर राहुल शर्मा व एचआर मैनेजर नंदन सिंह उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने सभी सातों चयनित विद्यार्थियों श्वेतांग प्रताप राव, निरंजन प्रताप सिंह, यादवेंद्र, निखिल बुंदेल, व्यास विपिन, अभिषेक कौशिक और सुधांशु कुमार को बधाई दी। इसी क्रम में स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को उद्योग जगत की बारीकियों से अवगत होने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए ट्रेनिंग सेल के उपनिदेशक तरुण सिंह, विभाग प्रभारी डा. शम्मी मेहरा और विभागीय शिक्षकों की भी सराहना की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 03-01-2025**

सीवर प्रणाली, कचरा निपटान स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। शोध पद्धति, अकादमिक लेखन पर दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के 11वें दिन प्रतिभागियों ने पालड़ी-पनिहारा गांव का भ्रमण किया। उद्देश्य समुदाय के साथ सक्रिय संवाद के माध्यम से संभावित शोध समस्याओं की पहचान करना था।

इस दौरान ग्राम सरपंच माया देवी और निवासी विजय पाल यादव ने गांव की सीवर प्रणाली, कचरा निपटान, स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के सहकोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने जीवन की पृष्ठभूमि में शोध क्षेत्रों की पहचान करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। प्रतिभागियों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का भी आयोजन किया गया।

आयोजन में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. राजबीर सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. राजबीर सिंह ने सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक शोध विधियों के अनुप्रयोग पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल ने विशेषज्ञ ग्राम सरपंच को उनके सहयोग लिए आभार व्यक्त किया।

प्रो. राजबीर सिंह को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक। स्रोत : हकेंवि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 03-01-2025**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय विद्यार्थियों ने किया पालड़ी पनिहारा गांव का दौरा

हकेवि में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का ग्याहरवां दिन।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर दो-सप्ताहीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के ग्यारहवें दिन प्रतिभागियों ने महेंद्रगढ़ जिले के पालड़ी-पनिहारा गांव का भ्रमण किया। इस दौरे का उद्देश्य समुदाय के साथ सक्रिय संवाद के माध्यम से संभावित शोध समस्याओं की पहचान करना था।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की सामुदायिक भागीदारी के महत्त्व पर जोर देते हुए कहा कि यह प्रक्रिया प्रासंगिक शोध समस्याओं की पहचान करने और ऐसे समाधान विकसित करने में सहायक है, जो प्रगतिशील भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। इस दौरे के दौरान ग्राम सरपंच श्रीमती माया देवी और निवासी श्री विजय पाल यादव ने गांव की सीवरेज प्रणाली, कचरा निपटान, स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा की।

कार्यक्रम के सहकोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने जीवन की पृष्ठभूमि में शोध क्षेत्रों की पहचान करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। इसी क्रम में प्रतिभागियों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। आयोजन में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. राजबीर सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. राजबीर सिंह ने सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक शोध विधियों के अनुप्रयोग पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम निदेशक प्रो पायल कंवर चंदेल ने विशेषज्ञ, ग्राम सरपंच को उनके सहयोग लिए आभार व्यक्त किया।

नारनौल लघु स शिविर में हुई

नारनौल लघु सचिवालय में आयोजि डॉ आनंद कुमार शर्मा एवं

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह के दिशा-निर्देश अनुसार लगाए जा रहे समाधान शिविरों की कड़ी में आज अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद थी। आज कुल 18 नागरिकों ने अपनी शिकायत रखी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hello Rewari **Date: 03-01-2025**

क्षमता निर्माण के 11वें दिन विद्यार्थियों ने किया पालड़ी पनिहारा गांव का दौरा

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर दो-सप्ताहीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के ग्यारहवें दिन प्रतिभागियों ने महेंद्रगढ़ जिले के पालड़ी-पनिहारा गांव का भ्रमण किया। इस दौरे का उद्देश्य समुदाय के साथ सक्रिय संवाद के माध्यम से संभावित शोध समस्याओं की पहचान करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की सामुदायिक भागीदारी के महत्त्व पर जोर देते हुए कहा कि यह प्रक्रिया प्रासंगिक शोध समस्याओं की पहचान करने और ऐसे समाधान विकसित करने में सहायक है, जो प्रगतिशील भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। इस दौरे के दौरान ग्राम सरपंच श्रीमती माया देवी और निवासी श्री विजय पाल यादव ने गांव की सीवरेज प्रणाली, कचरा निपटान, स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के

सहकोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने जीवन की पृष्ठभूमि में शोध क्षेत्रों की पहचान करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। इसी क्रम में प्रतिभागियों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। आयोजन में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. राजबीर सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. राजबीर सिंह ने सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक शोध विधियों के अनुप्रयोग पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने विशेषज्ञ, ग्राम सरपंच को उनके सहयोग लिए आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 04-01-2025**

सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की बारीकियों से अवगत हुए प्रतिभागी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर आयोजित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के बारहवें दिन आईआईटी दिल्ली के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर कमलेश सिंह व बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर तुषार सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। हकेवि कुलपति ने भारतीय ज्ञान प्रणाली और सामाजिक विज्ञान में उसके एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। जिससे भारतीय समाज को बेहतर समझने के लिए नए ज्ञान का विकास हो सके।भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में प्रोफेसर कमलेश सिंह ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में ज्ञान प्रणालियों के एकीकरण, समुदायिक समस्याओं की पहचान पर केंद्रित व्याख्यान दिया। इसी क्रम में प्रोफेसर तुषार सिंह ने अकादमिक लेखन के तत्वों, उद्धरण और संदर्भ शैलियों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम के सह-कोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने प्रतिभागियों के साथ चर्चा कर उन्हें प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 04-01-2025**

सामाजिक विज्ञान में एकीकरण पर जोर

अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम हुआ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर आयोजित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के बारहवें दिन आईआईटी दिल्ली के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रो. कमलेश सिंह, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. तुषार सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारतीय ज्ञान प्रणाली और सामाजिक विज्ञान में उसके एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। इससे भारतीय समाज को बेहतर समझने के लिए नए ज्ञान का विकास हो सके। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), दिल्ली की ओर से प्रायोजित इस कार्यक्रम में प्रो. कमलेश

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विशेषज्ञों को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक। स्रोत- हकेंवि

अकादमिक लेखन के तत्वों और संदर्भ शैलियों पर व्याख्यान दिया

सिंह ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में ज्ञान प्रणालियों के एकीकरण, सामुदायिक समस्याओं की पहचान पर केंद्रित व्याख्यान दिया। प्रो. तुषार सिंह ने अकादमिक लेखन के तत्वों, उद्धरण और संदर्भ शैलियों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम के सह कोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने प्रतिभागियों के साथ चर्चा कर उन्हें प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 04-01-2025**

सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की बारीकियों से अवगत हुए प्रतिभागी

हकेवि में क्षमता निर्माण कार्यक्रम में आईआईटी दिल्ली की प्रोफेसर ने किया संबोधित

महेन्द्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर आयोजित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के बारहवें दिन आईआईटी दिल्ली के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर कमलेश सिंह व बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर तुषार सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। हकेवि कुलपति प्रोफेसर टंकेशवर कुमार ने भारतीय ज्ञान प्रणाली और

सामाजिक विज्ञान में उसके एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया।

जिससे भारतीय समाज को बेहतर समझने के लिए नए ज्ञान का विकास हो सके।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में प्रोफेसर कमलेश सिंह ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में ज्ञान प्रणालियों के एकीकरण, समुदायिक समस्याओं की पहचान पर केंद्रित व्याख्यान दिया। इसी क्रम में प्रोफेसर तुषार सिंह ने अकादमिक लेखन के तत्वों, उद्धरण और संदर्भ शैलियों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम के सह-कोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने प्रतिभागियों के साथ चर्चा कर उन्हें प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 04-01-2025**

सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की बारीकियों से अवगत हुए प्रतिभागी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर आयोजित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के 12वें दिन आईआईटी दिल्ली के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर कमलेश सिंह व बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर तुषार सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। हकेंवि कुलपति प्रोफेसर टंकेशवर कुमार ने भारतीय ज्ञान प्रणाली और सामाजिक विज्ञान में उसके एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। जिससे भारतीय समाज को बेहतर समझने के लिए नए ज्ञान का विकास हो सके।

- हकेंवि में क्षमता निर्माण कार्यक्रम में आईआईटी दिल्ली की प्रोफेसर कमलेश सिंह ने किया संबोधित

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में प्रोफेसर कमलेश सिंह ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में ज्ञान प्रणालियों के एकीकरण, समुदायिक समस्याओं की पहचान पर केंद्रित व्याख्यान दिया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम के सह-कोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने प्रतिभागियों के साथ चर्चा कर उन्हें प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पायल कंवर चंदेल ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

महेंद्रगढ़। क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विशेषज्ञों को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 05-01-2025**

हकेंवि में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का समापन

कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक एवं प्रतिभागी। स्रोत : हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली की आरे से प्रायोजित इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन समिति को कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को अनुसंधान कौशल और शैक्षणिक लेखन में क्षमता बढ़ाने में मददगार साबित होगा। अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर केंद्रित इस कार्यक्रम के समापन सत्र में हकेंवि के वित्त अधिकारी प्रो. विकास कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रो. विकास कुमार ने प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी और भविष्य में कॅरिअर सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और इस आयोजन की सफलता के लिए विशेषज्ञों, प्रतिभागियों, विवि कुलपति और प्रशासन के योगदान की सराहना की। सह-कोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। मनोविज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. रवि कुमार पांडे ने सबका आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 05-01-2025**

हकेंवि में दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम का हुआ समापन

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में दो सप्ताह के 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' का शनिवार को समापन हुआ। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का आयोजन विवि के मनोविज्ञान विभाग द्वारा किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन समिति को कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी और कहा कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को अनुसंधान कौशल और शैक्षणिक लेखन में अपनी क्षमता बढ़ाने में अवश्य ही मददगार साबित होगा।

अनुसंधान पद्धति व अकादमिक लेखन पर केंद्रित इस कार्यक्रम के समापन सत्र में हकेंवि के वित्त अधिकारी प्रो. विकास कुमार मुख्य अतिथि रहे। प्रो. विकास कुमार ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को बधाई दी और प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी और भविष्य में करियर सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और इस आयोजन की सफलता के लिए विशेषज्ञों, प्रतिभागियों, विवि कुलपति और विवि प्रशासन के योगदान की सराहना की। सह-कोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। विवि के मनोविज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. रवि कुमार पांडे ने प्रतिभागियों, विशेषज्ञों और प्रायोजक एजेंसी आईसीएसएसआर का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 05-01-2025**

'भारतीय ज्ञान प्रणाली के एकीकरण की आवश्यकता'

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विशेषज्ञों को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक ● सौजन्य- हकेंवि

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर आयोजित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के बारहवें दिन आइआइटी दिल्ली के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर कमलेश सिंह व बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर तुषार सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। हकेंवि कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने भारतीय ज्ञान प्रणाली और सामाजिक विज्ञान में उसके एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। जिससे भारतीय समाज को बेहतर समझने के लिए नए ज्ञान का विकास हो सके। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में प्रोफेसर कमलेश सिंह ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में ज्ञान प्रणालियों के एकीकरण, सामुदायिक समस्याओं की पहचान पर केंद्रित व्याख्यान दिया। इसी क्रम में प्रोफेसर तुषार सिंह ने अकादमिक लेखन के तत्वों, उद्धरण और संदर्भ शैलियों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम के सह-कोर्स निदेशक डा. विष्णु नारायण कुचेरिया ने प्रतिभागियों के साथ चर्चा कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 05-01-2025**

हकेवि में दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम का हुआ समापन

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में दो सप्ताह के 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' का शनिवार को समापन हो गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने आयोजन समिति को कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी और प्रतिभागियों को उनके भविष्य मंल सफलता की कामना की।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित दक्षता निर्माण कार्यक्रम के समापन सत्र में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक एवं प्रतिभागी।

उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को अनुसंधान कौशल और शैक्षणिक लेखन में अपनी क्षमता बढ़ाने में अवश्य ही मददगार साबित होगा। अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर केंद्रित इस कार्यक्रम के समापन सत्र में हकेवि के वित्त अधिकारी प्रो. विकास कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. विकास कुमार ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को बधाई दी और प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी और भविष्य में करियर सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम की निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और इस आयोजन की सफलता के लिए विशेषज्ञों, प्रतिभागियों, विश्वविद्यालय कुलपति और विश्वविद्यालय प्रशासन के योगदान की सराहना की। सह-कोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. रवि कुमार पांडे ने प्रतिभागियों, विशेषज्ञों और प्रायोजक एजेंसी आईसीएसएसआर का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 05-01-2025**

हकेंवि में दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम का हुआ समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने आयोजन समिति को कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी और प्रतिभागियों को उनके भविष्य मंल सफलता की कामना की। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को अनुसंधान कौशल और शैक्षणिक लेखन में अपनी क्षमता बढ़ाने में अवश्य ही मददगार साबित होगा। अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर केंद्रित इस कार्यक्रम के समापन सत्र में हकेवि के वित्त अधिकारी प्रो. विकास कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. विकास कुमार ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को बधाई दी और प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी और भविष्य में करियर सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और इस आयोजन की सफलता के लिए विशेषज्ञों, प्रतिभागियों, विश्वविद्यालय कुलपति और विश्वविद्यालय प्रशासन के योगदान की सराहना की। सह-कोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. रवि कुमार पांडे ने प्रतिभागियों, विशेषज्ञों और प्रायोजक एजेंसी आईसीएसएसआर का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 05-01-2025**

क्षमता निर्माण कार्यक्रम का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, 4 जनवरी (ब्यूरो):हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो सप्ताह के 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' का शनिवार को समापन हो गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा किया गया।

अनुसंधान पद्धति और अकादमिक लेखन पर केंद्रित इस कार्यक्रम के समापन सत्र में हकेवि के वित्त अधिकारी प्रो. विकास कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. विकास कुमार ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को बधाई दी और प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी और भविष्य में करियर सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और इस आयोजन की सफलता के लिए विशेषज्ञों, प्रतिभागियों, विश्वविद्यालय कुलपति और विश्वविद्यालय प्रशासन के योगदान की सराहना की। सह-कोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. रवि कुमार पांडे ने प्रतिभागियों, विशेषज्ञों और प्रायोजक एजेंसी आईसीएसएसआर का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।